CUET-UG Hindi Sample Paper-6

Duration: 1 Hour **Maximum Marks: 250**

Instructions

- This paper contains a total of 50 Multiple Choice Questions.
- Each correct answer carries **+5 marks**.
- Each incorrect answer carries **-1 mark**.
- No negative marking for unattempted questions.

गद्यांश 1: साहित्यिक गद्यांश

गद्यांश 1: साहित्य केवल शब्दों का विन्यास मात्र नहीं है, अपितु वह मानव चेतना का दर्पण और समाज के अंतर्मन की प्रतिध्वनि है। आदिकाल से लेकर अद्यतन काल तक, साहित्य ने मनुष्य की जिजीविषा और उसकी संवेदनाओं को स्वर दिया है। किसी भी श्रेष्ठ साहित्य की कसौटी यह है कि वह अपने समय के सत्य को कितनी निर्भीकता के साथ उद्घाटित करता है। आधुनिक युग में साहित्य के समक्ष अनेक बहुआयामी चुनौतियां उपस्थित हुई हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है—नैतिक मूल्यों का क्षरण और भौतिकतावादी दृष्टिकोण का हावी होना। आज का रचनाकार बाजारवाद के दबाव में अपनी मौलिकता खोने के कगार पर खड़ा है। वैश्विक परिदृश्य पर यदि दृष्टिपात करें, तो पाते हैं कि सूचना क्रांति ने पाठकों की एकाग्रता को खंडित कर दिया है, जिससे गहन चिंतन वाले साहित्य के स्थान पर सतही और त्वरित मनोरंजन वाला लेखन अधिक लोकप्रिय हो रहा है। इसके बावजूद, साहित्य की प्रासंगिकता कभी समाप्त नहीं हो सकती, क्योंकि यह मनुष्य को मशीन बनने से रोकता है। एक श्रेष्ठ कृति वह है जो पाठक को केवल सूचना न दे, बल्कि उसके भीतर सहानुभूति, करुणा और न्याय की भावना को जाग्रत करे। हमें यह समझना होगा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति की संवाहिका है। जब हम अपनी भाषा के साहित्य से कटते हैं, तो हम अनजाने में अपनी जड़ों से भी कट जाते हैं। आने वाली पीढ़ी को उत्कृष्ट साहित्य से जोड़ना केवल शिक्षा का दायित्व नहीं, बल्कि एक स्वस्थ समाज की अनिवार्य शर्त है। यदि हम अपने वैचारिक वैभव को अक्षुण्ण रखना चाहते हैं, तो हमें आलोचनात्मक दृष्टि और रचनात्मक विवेक को पुनर्जीवित करना ही होगा, ताकि साहित्य पुनः समाज का 'पथ–प्रदर्शक' बन सके।

Q1. गद्यांश के अनुसार, श्रेष्ठ साहित्य की वास्तविक कसौटी क्या है?

(A) शब्दों का अलंकृत प्रयोग

(B) अपने समय के सत्य की निर्भीक अभिव्यक्ति

(C) बाज़ार में उसकी लोकप्रियता

(D) केवल मनोरंजन प्रदान करना

Q2. सूचना क्रांति ने पाठकों के पठन कौशल को किस प्रकार प्रभावित किया है?

(A) उनकी एकाग्रता में वृद्धि की है।

(B) उन्हें गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया है।

(C) उनकी एकाग्रता को खंडित कर सतहीपन को बढ़ावा दिया है।

(D) उन्हें केवल दार्शनिक बना दिया है।

Q3. लेखक ने 'बाजारवाद' का उल्लेख किस नकारात्मक संदर्भ में किया है?

(A) मौलिकता के ह्रास के कारण

(B) आर्थिक लाभ के कारण

(C) तकनीक के विकास के कारण

(D) विदेशी अनुवाद के कारण

Q4. गद्यांश में 'संस्कृति की संवाहिका' किसे कहा गया है?

(A) तकनीक को

(B) बाज़ार को

(C) भाषा को

(D) सूचना क्रांति को

Q5. साहित्य मनुष्य को 'मशीन' बनने से कैसे रोकता है?

(A) उसे यांत्रिक कार्य सिखाकर

(B) उसके भीतर मानवीय संवेदनाओं को जाग्रत करके

(C) उसे केवल सूचनाएं प्रदान करके

(D) उसे भौतिक सुख देकर

Q6. 'अक्षुण्ण' शब्द का गद्यांश के संदर्भ में क्या अर्थ है?

(A) जो खंडित हो गया हो

(B) जो कभी समाप्त न हो या सुरक्षित रहे

(C) अत्यंत छोटा

(D) वैभवशाली

गद्यांश 2: वृत्तांत

गद्यांश 2: 1857 का स्वाधीनता संग्राम भारतीय इतिहास की वह गौरवगाथा है, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। इस महासमर के वृत्तांत केवल विजय और पराजय के आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय अदम्य साहस और सांप्रदायिक एकता का जीवंत दस्तावेज हैं। जब मंगल पांडे की राइफल से निकली पहली गोली ने बैरकपुर में विद्रोह का बिगुल फूंका, तो उसकी प्रतिध्वनि सुदूर दक्षिण तक सुनाई दी। दिल्ली की गलियों से लेकर झांसी के दुर्ग तक, हर स्थान पर एक ही संकल्प था—पराधीनता की बेड़ियों को काट फेंकना। इस संघर्ष में केवल सैनिक ही नहीं, बल्कि कृषक, कलाकार, बुद्धिजीवी और सन्यासी भी सम्मिलित थे। बेगम हजरत महल और कुंवर सिंह जैसे नायकों ने यह सिद्ध कर दिया कि मातृभूमि की रक्षा के लिए आयु और संसाधन गौण होते हैं, केवल संकल्प शक्ति प्रधान होती है। ब्रिटिश इतिहासकारों ने इसे अक्सर 'सिपाही विद्रोह' कहकर इसके महत्व को कम करने का प्रयास किया, किंतु भारतीय जनमानस के लिए यह 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' था। इस दौर के कवियों ने जो लोकगीत रचे, वे आज भी ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रभक्ति का संचार करते हैं। रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य का वृत्तांत जब पढ़ा जाता है, तो वह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं लगती, बल्कि वह अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की शाश्वत प्रेरणा बन जाती है। विदेशी हुकूमत ने इस विद्रोह को कुचलने के लिए क्रूरतम दमन चक्र चलाया, गांवों के गांव जला दिए गए, परंतु वे उस 'स्वतंत्रता की लौ' को नहीं बुझा सके जो प्रत्येक भारतीय के हृदय में प्रज्वलित हो चुकी थी। यह वृत्तांत हमें सिखाता है कि जब कोई राष्ट्र अपनी अस्मिता के लिए एकजुट होता है, तो दुनिया की कोई भी दमनकारी शक्ति उसे स्थायी रूप से गुलाम नहीं रख सकती।

Q7. लेखक ने 1857 के संग्राम को 'सांप्रदायिक एकता' का दस्तावेज क्यों माना है?

(A) क्योंकि इसमें केवल एक ही धर्म के लोग थे।

(B) क्योंकि इसमें विभिन्न समुदायों ने एकजुट होकर संघर्ष किया।

(C) क्योंकि यह केवल धार्मिक कारणों से लड़ा गया था।

(D) क्योंकि ब्रिटिश सरकार ने एकता का समर्थन किया था।

Q8. 'सिपाही विद्रोह' और 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' के नामकरण में क्या अंतर स्पष्ट होता है?

(A) दोनों का अर्थ एक ही है।

(B) एक पक्ष इसे सैन्य विद्रोह मानता है, दूसरा इसे व्यापक जन–आंदोलन।

(C) यह केवल भाषा का अंतर है।

(D) ब्रिटिश पक्ष इसे महान मानता है।

Q9. गद्यांश के अनुसार, संघर्ष में सफलता के लिए क्या 'प्रधान' बताया गया है?

(A) आधुनिक अस्त्र–शस्त्र

(B) अत्यधिक धन

(C) संकल्प शक्ति

(D) विदेशी सहायता

Q10. लोकगीतों का इस संघर्ष के संदर्भ में क्या महत्व बताया गया है?

(A) वे केवल मनोरंजन के साधन थे।

(B) वे राष्ट्रभक्ति का संचार करने और यादों को जीवित रखने के माध्यम थे।

(C) वे ब्रिटिश सेना की प्रशंसा करते थे।

(D) वे केवल सैनिकों के लिए गाए जाते थे।

Q11. बेगम हजरत महल और कुंवर सिंह का उदाहरण क्या सिद्ध करता है?

(A) कि वे बहुत अमीर थे।

(B) स्वतंत्रता के लिए संसाधन और आयु से अधिक संकल्प मायने रखता है।

(C) कि वे केवल अपने राज्यों को बचाना चाहते थे।

(D) कि उन्हें युद्ध का शौक था।

Q12. 'अदम्य' शब्द का सही अर्थ गद्यांश के अनुसार क्या है?

(A) जिसे डराया जा सके

(B) जिसे दबाया न जा सके

(C) जो बहुत कमजोर हो

(D) प्राचीन काल का

गद्यांश 3: तथ्यात्मक

गद्यांश 3: जलवायु परिवर्तन वर्तमान सदी की सबसे बड़ी पारिस्थितिक चुनौती है, जिसके साक्ष्य अब वैज्ञानिक आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। नासा (NASA) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछला दशक मानव इतिहास का सबसे गर्म दशक दर्ज किया गया है। आर्कटिक की बर्फ पिघलने की दर में 13% प्रति दशक की वृद्धि हुई है, जिससे समुद्र के जलस्तर में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। यदि यही स्थिति रही, तो 2050 तक दुनिया के कई तटीय शहर जलमग्न हो सकते हैं। कार्बन उत्सर्जन का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का अनियंत्रित उपयोग और तीव्र औद्योगीकरण है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ जनसंख्या का बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर है, बेमौसम बारिश और लंबे समय तक पड़ने वाला सूखा खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। सरकार ने 'राष्ट्रीय सौर मिशन' और 'उज्ज्वला योजना' जैसे कदमों के माध्यम से कार्बन फुटप्रिंट को कम करने का लक्ष्य रखा है। पेरिस समझौते के तहत भारत ने अपनी गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता को 40% तक बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं हैं; 'सर्कुलर इकोनॉमी' और 'सतत जीवनशैली' को अपनाना व्यक्तिगत स्तर पर अनिवार्य है। वनों की कटाई को रोकने के लिए 'मियांवाकी पद्धति' जैसी नवीन तकनीकों का प्रयोग शहरी क्षेत्रों में वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। जैव विविधता का ह्रास केवल जीव-जंतुओं की हानि नहीं है, बल्कि यह उस संपूर्ण पारितंत्र का विनाश है जो मानव अस्तित्व को आधार प्रदान करता है। हमें यह समझना होगा कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि हमारे बच्चों का ऋण है, जिसे हमें सुरक्षित वापस करना है।

Q13. वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार, समुद्र के जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण क्या है?

(A) अत्यधिक वर्षा

(B) आर्कटिक की बर्फ पिघलने की दर में वृद्धि

(C) नदियों का प्रदूषण

(D) समुद्री जहाजों की संख्या

Q14. जलवायु परिवर्तन का भारतीय कृषि पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

(A) पैदावार में अत्यधिक वृद्धि हो रही है।

(B) बेमौसम बारिश और सूखे से खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।

(C) किसान अब खेती छोड़ रहे हैं।

(D) मिट्टी की उर्वरता अपने आप बढ़ रही है।

Q15. भारत ने पेरिस समझौते के तहत क्या लक्ष्य निर्धारित किया है?

(A) औद्योगिक उत्पादन को दोगुना करना।

(B) गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता को 40% तक बढ़ाना।

(C) केवल कोयले का उपयोग करना।

(D) 2050 तक सभी गाड़ियां बंद करना।

Q16. 'मियांवाकी पद्धति' का उपयोग किस कार्य के लिए किया जा रहा है?

(A) सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए।

(B) शहरी क्षेत्रों में तेजी से वन क्षेत्र (जंगल) उगाने के लिए।

(C) जल संरक्षण के लिए।

(D) कचरा प्रबंधन के लिए।

Q17. लेखक के अनुसार 'सतत जीवनशैली' क्यों आवश्यक है?

(A) क्योंकि सरकारी नीतियां अकेले पर्याप्त नहीं हैं।

(B) क्योंकि यह बहुत सस्ती है।

(C) क्योंकि इसे केवल अमीर अपना सकते हैं।

(D) क्योंकि इससे केवल व्यापार बढ़ता है।

Q18. "पृथ्वी हमारे बच्चों का ऋण है" – इस पंक्ति का निहितार्थ क्या है?

(A) हमें पृथ्वी को बेच देना चाहिए।

(B) पर्यावरण को भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना नैतिक उत्तरदायित्व है।

(C) बच्चों को पृथ्वी की देखभाल नहीं करनी चाहिए।

(D) पूर्वजों ने हमें कुछ नहीं दिया।

शब्द भंडार

Q19. 'आविर्भाव' का सही विलोम शब्द है:

(A) प्रादुर्भाव

(B) तिरोभाव

(C) प्रभाव

(D) अभाव

Q20. 'अनुग्रह' का उपयुक्त विलोम शब्द चुनिए:

(A) विग्रह

(B) आग्रह

(C) ग्रहण

(D) संग्रह

Q21. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'स्वर्ण' का पर्यायवाची नहीं है?

(A) कनक

(B) हेम

(C) कलधौत

(D) रत्नाकर

Q22. 'शाश्वत' का विलोम शब्द क्या होगा?

(A) क्षणिक

(B) अजर

(C) अनादि

(D) अनंत

Q23. 'पर्यायवाची' की दृष्टि से कौन–सा युग्म सही नहीं है?

(A) सिंह – शार्दूल

(B) चंद्रमा – विधु

(C) सूर्य – मार्तंड

(D) आकाश – पावक

Q24. 'उत्कर्ष' का विलोम शब्द है:

(A) अपकर्ष

(B) परामर्श

(C) संघर्ष

(D) विमर्श

Q25. 'कमल' के पर्यायवाची शब्दों का सही समूह है:

(A) नीरज, तोयज, पंकज

(B) समीर, पवन, अनिल

(C) अनल, पावक, दहन

(D) अवनि, धरा, व्योम

Q26. 'मृगांक' किसका पर्यायवाची शब्द है?

(A) सूर्य

(B) चंद्रमा

(C) हिरण

(D) शेर

Q27. 'जंगम' का विलोम शब्द है (पुनरावृत्ति अभ्यास हेतु):

(A) स्थावर

(B) सचल

(C) चेतन

(D) स्थिर

Q28. इनमें से 'अमृत' का पर्यायवाची नहीं है:

(A) पीयूष

(B) सुधा

(C) सुरभोग

(D) अंबु

Q29. 'उद्यम' का सही विलोम चुनिए:

(A) प्रवीण

(B) आलस्य

(C) नीरज

(D) नृप

Q30. 'विशिख' किस शब्द का पर्यायवाची है?

(A) बुद्ध

(B) बाण

(C) तरु

(D) सरोवर

मौखिक योग्यता

Q31. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: और अंततः यह मानव जाति के लिए

Q: जिस प्रकार विज्ञान वरदान है,

R: घातक सिद्ध हो सकता है।

S: उसी प्रकार इसका दुरुपयोग विनाशकारी है,

(A) QSPR

(B) QSRP

(C) PQRS

(D) SPRQ

Q32. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: वही देश उन्नति की ओर

Q: जहाँ नारी का सम्मान होता है,

R: अग्रसर होता है।

S: और उसकी गरिमा सुरक्षित रहती है,

(A) QSPR

(B) QSRP

(C) PRSQ

(D) SQRP

Q33. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: आत्मविश्वास ही वह कुंजी है

Q: कठिन से कठिन बाधाओं को

R: पार करके सफलता प्राप्त की जा सकती है।

S: जिसके माध्यम से जीवन की

(A) PSQR

(B) PSRQ

(C) SPQR

(D) PQSR

Q34. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: अपनी सांस्कृतिक विरासत को
Q: यदि हम चाहते हैं कि
R: सुरक्षित रखें, तो हमें
S: अपनी भाषा का सम्मान करना होगा।

(A) QPRS

(B) QPSR

(C) PRSQ

(D) RPQS

Q35. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: समाज में व्याप्त कुरीतियों को
Q: शिक्षा के प्रकाश से ही
R: जड़ से मिटाया जा सकता है।
S: दूर किया जा सकता है और

(A) QPSR

(B) QSPR

(C) PSQR

(D) RSQP

Q36. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: आज का युवा वर्ग
Q: तकनीकी रूप से अत्यंत सक्षम है,
R: यदि उसे सही दिशा मिले।
S: वह राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकता है,

(A) PQSR

(B) PQRS

(C) QPSR

(D) SRQP

Q37. वाक्यों को तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:

P: प्रकृति का संतुलन बनाए रखना

Q: वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है,

R: अन्यथा भविष्य में संकट गहरा सकता है।

S: ताकि हम आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ ग्रह दे सकें,

(A) PQSR

(B) PQRS

(C) SRQP

(D) RQPS

Q38. "महापुरुषों के उपदेशों को अपने जीवन में _____करना चाहिए।"

(A) आत्मसात

(B) तिरस्कृत

(C) विस्मृत

(D) उपेक्षित

Q39. "लगातार वर्षा होने से जनजीवन _____हो गया।"

(A) सुचारु

(B) अस्त–व्यस्त

(C) व्यवस्थित

(D) शांत

Q40. "साहित्य और समाज का _____संबंध है।"

(A) अलगाववादी

(B) अनन्योन्याश्रित

(C) अनावश्यक

(D) गौण

Q41. "सच्चा मित्र वही है जो _____में साथ दे।"

(A) विलासिता

(B) विपत्ति

(C) वैभव

(D) उत्सव

Q42. "अत्यधिक धन संचय की प्रवृत्ति से मनुष्य में _____की भावना बढ़ती है।"

(A) संतोष

(B) स्वार्थपरता

(C) परोपकार

(D) दया

Q43. स्तंभ 1 (मुहावरा) का स्तंभ 2 (अर्थ) के साथ सही मिलान का चयन कीजिए:

स्तंभ 1 (मुहावरा)	स्तंभ 2 (अर्थ)
1. अंधे की लकड़ी	(i) बहुत कम अंतर होना
2. उन्नीस–बीस होना	(ii) एकमात्र सहारा
3. आँखों में धूल झोंकना	(iii) पुरानी दुश्मनी भुलाना
4. मिट्टी पलीद होना	(iv) स्थिति बहुत खराब होना / अपमानित होना

(A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

(B) 1–(ii), 2–(i), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(i), 2–(ii), 3–(iv), 4–(iii)

(D) 1–(iii), 2–(iv), 3–(ii), 4–(i)

Q44. स्तंभ 1 (संधि) का स्तंभ 2 (उदाहरण) के साथ सही मिलान का चयन कीजिए:

स्तंभ 1 (संधि)	स्तंभ 2 (उदाहरण)
1. दीर्घ संधि	(i) सदैव
2. गुण संधि	(ii) पुस्तकालय
3. वृद्धि संधि	(iii) इत्यादि
4. यण संधि	(iv) महोदय

(A) 1–(ii), 2–(iv), 3–(i), 4–(iii)

(B) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

(C) 1–(iv), 2–(ii), 3–(iii), 4–(i)

(D) 1–(i), 2–(iv), 3–(ii), 4–(iii)

Q45. स्तंभ 1 (समास) का स्तंभ 2 (उदाहरण) के साथ सही मिलान का चयन कीजिए:

स्तंभ 1 (समास)	स्तंभ 2 (उदाहरण)
1. अव्ययीभाव	(i) दशानन
2. तत्पुरुष	(ii) प्रतिदिन
3. बहुव्रीहि	(iii) चौराहा
4. द्विगु	(iv) राजपुत्र

(A) 1–(ii), 2–(iv), 3–(i), 4–(iii)

(B) 1–(iv), 2–(ii), 3–(iii), 4–(i)

(C) 1–(ii), 2–(iii), 3–(iv), 4–(i)

(D) 1–(iii), 2–(i), 3–(iv), 4–(ii)

Q46. स्तंभ 1 (तत्सम) का स्तंभ 2 (तद्भव) के साथ सही मिलान का चयन कीजिए:

स्तंभ 1 (तत्सम)	स्तंभ 2 (तद्भव)
1. कार्य	(i) सावन
2. श्रावण	(ii) काम
3. दधि	(iii) हाथ
4. हस्त	(iv) दही

(A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(iv), 2–(iii), 3–(ii), 4–(i)

(D) 1–(ii), 2–(iv), 3–(i), 4–(iii)

Q47. स्तंभ 1 (वाक्यांश) का स्तंभ 2 (एक शब्द) के साथ सही मिलान का चयन कीजिए:

स्तंभ 1 (वाक्यांश)	स्तंभ 2 (एक शब्द)
1. जिसकी उपमा न हो	(i) अजातशत्रु
2. जिसका कोई शत्रु न हो	(ii) अनुपम
3. उपकार को मानने वाला	(iii) अल्पभाषी
4. जो कम बोलता हो	(iv) कृतज्ञ

(A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

(B) 1–(i), 2–(ii), 3–(iii), 4–(iv)

(C) 1–(ii), 2–(iv), 3–(i), 4–(iii)

(D) 1–(iv), 2–(iii), 3–(ii), 4–(i)

Q48. 'अपना उल्लू सीधा करना' का क्या अर्थ है?

(A) पक्षियों को पालना

(B) अपना स्वार्थ सिद्ध करना

(C) मूर्ख बनाना

(D) रात में काम करना

Q49. 'गागर में सागर भरना' लोकोक्ति का अर्थ है:

(A) घड़े में पानी भरना

(B) थोड़े शब्दों में बहुत अधिक कह देना

(C) असंभव कार्य करना

(D) बहुत अधिक बोलना

Q50. 'चिराग तले अंधेरा' का अर्थ क्या है?

(A) दीपक के नीचे रोशनी न होना

(B) अपनी बुराई खुद को न दिखना

(C) अज्ञानता होना

(D) बिजली गुल होना

Detailed Solutions

Q1.

Solution

संकल्पना: प्रस्तुत गद्यांश साहित्य की परिभाषा, उसकी सामाजिक भूमिका और वर्त–मान चुनौतियों का विश्लेषण करता है। यहाँ श्रेष्ठ साहित्य को केवल मनोरंजन या सजावट का साधन न मानकर उसे सत्य के प्रति समर्पित बताया गया है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, साहित्य का मुख्य उद्देश्य मानव चेतना का दर्पण बनना है। लेखक स्पष्ट करता है कि साहित्य की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि वह समाज की वास्तविक स्थितियों और अपने युग के सत्य को कितनी निडरता (निर्भी–कता) के साथ सबके सामने रखता है। अन्य विकल्प जैसे अलंकृत शब्द, लोकप्रियता या मनोरंजन, साहित्य के गौण पक्ष हो सकते हैं, परंतु वास्तविक कसौटी 'सत्य की निर्भीक अभिव्यक्ति' ही है।

अंतिम उत्तर: अपने समय के सत्य की निर्भीक अभिव्यक्ति

Answer: (B)

Q2.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न सूचना क्रांति (Information Revolution) के युग में पाठकों के व्यवहार में आए बदलावों पर आधारित है। गद्यांश तकनीकी विकास के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को रेखांकित करता है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, सूचना क्रांति ने सूचनाओं का अंबार तो लगा दिया है, किंतु इसका नकारात्मक प्रभाव पाठकों की एकाग्रता (Concentration) पर पड़ा है। तीव्र गति से मिलने वाली सूचनाओं ने पाठकों के धैर्य को कम किया है, जिससे वे गहन और गंभीर साहित्य पढ़ने के बजाय सतही और केवल मनोरंजन वाले संक्षिप्त लेखन की ओर झुक रहे हैं। अतः उनकी एकाग्रता खंडित हुई है।

अंतिम उत्तर: उनकी एकाग्रता को खंडित कर सतहीपन को बढ़ावा दिया है।

Answer: (C)

Q3.

Solution

संकल्पना: बाजारवाद (Marketism) का अर्थ है साहित्य को केवल एक विक्रय वस्तु (Product) मान लेना। लेखक यहाँ साहित्य के व्यावसायिक पक्ष से होने वाली हानि की चर्चा कर रहा है।

समाधान: गद्यांश में लेखक ने चिंता व्यक्त की है कि आज का रचनाकार 'बाजार के दबाव' में काम कर रहा है। जब लेखन का मुख्य उद्देश्य केवल पाठकों को रिझाना और व्यावसायिक सफलता प्राप्त करना हो जाता है, तो लेखक अपनी स्वयं की दृष्टि और अनूठी शैली (मौलिकता) को खो देता है। वह वही लिखने लगता है जो बाज़ार में बिकता है। इसलिए, बाजारवाद का नकारात्मक संदर्भ 'मौलिकता के ह्रास' से जुड़ा है।

अंतिम उत्तर: मौलिकता के ह्रास के कारण

Answer: (A)

Q4.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न भाषा और संस्कृति के अंतर्संबंधों पर आधारित है। गद्यांश में भाषा को केवल एक व्याकरणिक ढांचा न मानकर उसे सभ्यता की धरोहर के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, भाषा समाज के संस्कारों, मान्यताओं और परंपराओं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य करती है। लेखक स्पष्ट रूप से कहता है कि "भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति की संवाहिका है।" जब व्यक्ति अपनी भाषा से दूर होता है, तो वह अनजाने में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी खो देता है।

अंतिम उत्तर: भाषा को

Answer: (C)

Q5.

Solution

संकल्पना: साहित्य की उपयोगिता केवल बौद्धिक मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह व्यक्ति के भावनात्मक और नैतिक अस्तित्व को बचाए रखने का कार्य करता है। यहाँ 'मशीन' शब्द मानवीय भावनाओं की शून्यता का प्रतीक है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, आधुनिक युग का भौतिकतावादी दृष्टिकोण मनुष्य को यांत्रिक बना रहा है। साहित्य इस यांत्रिकता को तोड़ता है क्योंकि एक श्रेष्ठ साहित्यिक कृति पाठक के भीतर सहानुभूति, करुणा और न्याय जैसी भावनाओं को जाग्रत करती है। इन मानवीय संवेदनाओं के जीवित रहने के कारण ही मनुष्य मशीन बनने (यानी भावनाहीन होने) से बच पाता है।

अंतिम उत्तर: उसके भीतर मानवीय संवेदनाओं को जाग्रत करके

Answer: (B)

Q6.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शब्द–सामर्थ्य और संदर्भानुसार अर्थ की समझ पर आधारित है। 'अक्षुण्ण' एक तत्सम शब्द है, जिसका प्रयोग किसी वस्तु या भाव की निरंतरता और अखंडता को दर्शाने के लिए किया जाता है।

समाधान: गद्यांश की अंतिम पंक्तियों में लेखक कहता है कि "यदि हम अपने वैचारिक वैभव को अक्षुण्ण रखना चाहते हैं..."। यहाँ 'अक्षुण्ण' का अर्थ है अपने विचारों की उस गरिमा और समृद्धि को बनाए रखना जिसे खंडित न किया जा सके या जो हमेशा सुरक्षित रहे। शाब्दिक रूप से 'अ' (नहीं) + 'क्षुण्ण' (पिसा हुआ/खंडित) का अर्थ है जो टूटा न हो या जिसका क्षय न हुआ हो। अतः विकल्प (B) गद्यांश के संदर्भ में सटीक है।

अंतिम उत्तर: जो कभी समाप्त न हो या सुरक्षित रहे

Answer: (B)

Q7.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 1857 के संग्राम के सामाजिक स्वरूप पर आधारित है। 'सांप्रदायिक एकता' का अर्थ है विभिन्न धर्मों और समुदायों का एक साझा लक्ष्य के लिए साथ आना।
समाधान: लेखक के अनुसार, 1857 का विद्रोह केवल एक सैन्य विद्रोह नहीं था, बल्कि इसमें हिंदू और मुस्लिम सहित विभिन्न समुदायों ने कंधे से कंधा मिलाकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। गद्यांश में बेगम हजरत महल और कुंवर सिंह जैसे भिन्न पृष्ठभूमि के नायकों का उल्लेख इसी एकता को रेखांकित करने के लिए किया गया है। यह साझा संघर्ष ही इस संग्राम को सांप्रदायिक सौहार्द और एकता का एक जीवंत प्रमाण (दस्तावेज) बनाता है।
अंतिम उत्तर: क्योंकि इसमें विभिन्न समुदायों ने एकजुट होकर संघर्ष किया।

Answer: (B)

Q8.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न इतिहास के प्रति दो अलग-अलग दृष्टिकोणों (दृष्टिकोणों) के टकराव को दर्शाता है। नामकरण किसी भी घटना की गहराई और उसके विस्तार को परिभाषित करने का प्रयास होता है।
समाधान: गद्यांश स्पष्ट करता है कि ब्रिटिश इतिहासकारों ने इसे 'सिपाही विद्रोह' की संज्ञा दी ताकि इसे केवल अनुशासनहीन सैनिकों का एक सीमित विद्रोह सिद्ध किया जा सके। इसके विपरीत, भारतीय जनमानस और लेखकों ने इसे 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' माना क्योंकि इसमें सैनिकों के साथ-साथ किसान, बुद्धिजीवी और आम जनता भी विदेशी शासन से मुक्ति के लिए सम्मिलित हुई थी। अतः यह अंतर घटना के 'सीमित स्वरूप' बनाम 'व्यापक जन-आंदोलन' के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है।
अंतिम उत्तर: एक पक्ष इसे सैन्य विद्रोह मानता है, दूसरा इसे व्यापक जन-आंदोलन।

Answer: (B)

Q9.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न संसाधनों के अभाव में भी विजय प्राप्त करने के मुख्य कारक पर आधारित है। गद्यांश स्पष्ट करता है कि बाह्य साधनों की तुलना में आंतरिक बल अधिक महत्वपूर्ण होता है।

समाधान: गद्यांश में बेगम हजरत महल और कुंवर सिंह का उदाहरण देते हुए लेखक ने उल्लेख किया है कि मातृभूमि की रक्षा जैसे महान कार्यों के लिए "आयु और संसाधन गौण होते हैं"। यद्यपि अंग्रेजों के पास आधुनिक हथियार थे, किंतु भारतीय सेनानियों के पास 'संकल्प शक्ति' (Willpower) की अधिकता थी। लेखक के अनुसार, सफलता प्राप्त करने के लिए अटूट निश्चय और संकल्प ही सबसे प्रमुख (प्रधान) तत्व है।

अंतिम उत्तर: संकल्प शक्ति

Answer: (C)

Q10.

Solution

संकल्पना: किसी भी जन–आंदोलन में मौखिक परंपरा और लोक संस्कृति का विशेष महत्व होता है। यह प्रश्न लोकगीतों की सांस्कृतिक और प्रेरक भूमिका को समझने पर केंद्रित है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, 1857 के दौर में रचे गए लोकगीत केवल मनोरंजन मात्र नहीं थे। वे ऐतिहासिक घटनाओं और नायकों के शौर्य को जन–जन तक पहुँचाने के सशक्त माध्यम थे। लेखक उल्लेख करता है कि ये गीत आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रभक्ति का संचार करते हैं और स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों को जीवित रखते हैं। अतः ये गीत प्रेरणा और जन–जागृति के स्रोत थे।

अंतिम उत्तर: वे राष्ट्रभक्ति का संचार करने और यादों को जीवित रखने के माध्यम थे।

Answer: (B)

Q11.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न उन व्यक्तिगत गुणों पर आधारित है जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी नेतृत्व करने की क्षमता प्रदान करते हैं। यहाँ कुंवर सिंह की वृद्धावस्था और बेगम हजरत महल की सीमित सैन्य शक्ति का संदर्भ महत्वपूर्ण है।

समाधान: गद्यांश में इन दोनों नायकों का उल्लेख यह स्पष्ट करने के लिए किया गया है कि स्वतंत्रता प्राप्त करने का जज्बा भौतिक साधनों पर निर्भर नहीं होता। जहाँ बाबू कुंवर सिंह ने अस्सी वर्ष की अवस्था में भी अद्भुत साहस दिखाया, वहीं बेगम हजरत महल ने सीमित संसाधनों के साथ अंग्रेजों का मुकाबला किया। लेखक के अनुसार, इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि संग्राम में विजय के लिए आयु और संसाधन गौण हैं, जबकि 'संकल्प' ही सर्वोपरि है।

अंतिम उत्तर: स्वतंत्रता के लिए संसाधन और आयु से अधिक संकल्प मायने रखता है।

Answer: (B)

Q12.

Solution

संकल्पना: शब्दों का अर्थ अक्सर उनके मूल धातु और संदर्भ से तय होता है। 'अदम्य' शब्द 'दमन' धातु से बना है, जिसका अर्थ है नियंत्रण करना या दबाना।

समाधान: गद्यांश में 'अदम्य साहस' वाक्यांश का प्रयोग किया गया है। 'अ' (नहीं) + 'दम्य' (दबाने योग्य) का अर्थ है—जिसे दबाया न जा सके या जिसे नियंत्रित करना अत्यंत कठिन हो। विद्रोहियों का साहस ऐसा था जिसे ब्रिटिश सेना अपनी क्रूरता के बावजूद कुचल नहीं पाई। अतः गद्यांश के संदर्भ में इसका सही अर्थ 'जिसे दबाया न जा सके' है।

अंतिम उत्तर: जिसे दबाया न जा सके

Answer: (B)

Q13.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष प्रभावों और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित है। गद्यांश ग्लोबल वार्मिंग के कारण होने वाले पारिस्थितिक परिवर्तनों को रेखांकित करता है।

समाधान: गद्यांश में नासा (NASA) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि बढ़ते तापमान के कारण आर्कटिक क्षेत्र की बर्फ प्रति दशक 13% की दर से पिघल रही है। बर्फ के इस विशाल भंडार के पिघलकर महासागरों में मिलने के कारण ही समुद्र का जलस्तर निरंतर बढ़ रहा है। अन्य विकल्प जैसे वर्षा या प्रदूषण इसके मुख्य कारणों में यहाँ वर्णित नहीं हैं।

अंतिम उत्तर: आर्कटिक की बर्फ पिघलने की दर में वृद्धि

Answer: (B)

Q14.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न जलवायु परिवर्तन के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों, विशेष रूप से कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को समझने पर केंद्रित है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, भारत की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का चक्र अनिश्चित हो गया है, जिससे कभी बेमौसम अत्यधिक वर्षा होती है तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। यह अनिश्चितता फसलों को नष्ट कर रही है और देश की खाद्य सुरक्षा (Food Security) के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है। अतः विकल्प (B) सही प्रभाव को दर्शाता है।

अंतिम उत्तर: बेमौसम बारिश और सूखे से खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।

Answer: (B)

Q15.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौतों में भारत की प्रतिबद्धताओं और नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) की दिशा में उठाए गए कदमों पर आधारित है।

समाधान: गद्यांश में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि पेरिस समझौते के तहत भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की है। भारत ने लक्ष्य रखा है कि वह अपनी कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता का 40% हिस्सा गैर–जीवाश्म ईंधनों (जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि) से प्राप्त करेगा। यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अंतिम उत्तर: गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता को 40% तक बढ़ाना।

Answer: (B)

Q16.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शहरी वनीकरण (Urban Forestry) की आधुनिक तकनीकों पर आधारित है। 'मियांवाकी' एक जापानी पद्धति है जो सीमित स्थान पर सघन जंगल उगाने के लिए जानी जाती है।

समाधान: गद्यांश के अनुसार, वनों की कटाई को रोकने और शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने के लिए नवीन तकनीकों की आवश्यकता है। 'मियांवाकी पद्धति' का विशेष उल्लेख इसी संदर्भ में किया गया है कि यह शहरी कंक्रीट के जंगलों के बीच कम समय में तेजी से प्राकृतिक वन क्षेत्र विकसित करने में सहायक है। अतः विकल्प (B) सही है।

अंतिम उत्तर: शहरी क्षेत्रों में तेजी से वन क्षेत्र (जंगल) उगाने के लिए।

Answer: (B)

Q17.

Solution

संकल्पना: पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासनिक उत्तरदायित्व नहीं है, बल्कि यह व्यक्तिगत व्यवहार परिवर्तन से जुड़ा विषय है। 'सतत जीवनशैली' (Sustainable Lifestyle) का अर्थ है संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग।

समाधान: गद्यांश में लेखक तर्क देता है कि जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या से निपटने के लिए केवल सरकारी नीतियां और अंतरराष्ट्रीय समझौते (जैसे पेरिस समझौता) पर्याप्त नहीं हैं। जब तक प्रत्येक व्यक्ति अपनी जीवनशैली में बदलाव नहीं लाएगा और 'सर्कुलर इकोनॉमी' का हिस्सा नहीं बनेगा, तब तक वास्तविक सुधार संभव नहीं है। अतः व्यक्तिगत भागीदारी अनिवार्य है।

अंतिम उत्तर: क्योंकि सरकारी नीतियां अकेले पर्याप्त नहीं हैं।

Answer: (A)

Q18.

Solution

संकल्पना: यह पंक्ति पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक दार्शनिक और नैतिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यहाँ 'ऋण' शब्द का प्रयोग भावी पीढ़ी के प्रति हमारी जवाबदेही को दर्शाने के लिए किया गया है।

समाधान: गद्यांश की इस अंतिम पंक्ति का अर्थ है कि हमें पर्यावरण को अपनी निजी संपत्ति नहीं समझना चाहिए जिसे हम जैसे चाहें नष्ट करें। इसके बजाय, हमें यह मानना चाहिए कि हमने इसे आने वाली पीढ़ी से उधार (ऋण) के रूप में लिया है। जिस प्रकार ऋण को सुरक्षित वापस करना होता है, उसी प्रकार पृथ्वी को उसके प्राकृतिक रूप में भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

अंतिम उत्तर: पर्यावरण को भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना नैतिक उत्तरदायित्व है।

Answer: (B)

Q19.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न विलोम शब्दों (Antonyms) पर आधारित है। विलोम शब्द वे शब्द होते हैं जो किसी शब्द का ठीक उल्टा अर्थ प्रकट करते हैं।

समाधान: 'आविर्भाव' का अर्थ होता है किसी चीज का सामने आना या प्रकट होना। व्याकरण के अनुसार, इसका विलोम 'तिरोभाव' होता है, जिसका अर्थ है अंतर्धान हो जाना या छिप जाना। अन्य विकल्प जैसे अभाव (कमी) या प्रभाव (असर) इसके सटीक विलोम नहीं हैं।

अंतिम उत्तर: तिरोभाव

Answer: (B)

Q20.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न विलोम शब्द के सही युग्म की पहचान करने के लिए है।

समाधान: 'अनुग्रह' का अर्थ कृपा या उपकार होता है। साहित्य और व्याकरण की दृष्टि से अनुग्रह का विपरीतार्थक शब्द 'विग्रह' माना जाता है। अन्य शब्द जैसे 'आग्रह' (निवेदन) या 'संग्रह' (इकट्ठा करना) भिन्न अर्थ रखते हैं।

अंतिम उत्तर: विग्रह

Answer: (A)

Q21.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न पर्यायवाची शब्दों (Synonyms) की पहचान पर आधारित है। पर्यायवाची वे शब्द हैं जो समान अर्थ रखते हैं।

समाधान: सोने (स्वर्ण) के लिए कनक, हेम, कुंदन, और कलधौत जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है। 'रत्नाकर' शब्द 'रत्नों की खान' अर्थात 'समुद्र' के लिए प्रयुक्त होता है। अतः रत्नाकर स्वर्ण का पर्यायवाची नहीं है।

अंतिम उत्तर: रत्नाकर

Answer: (D)

Q22.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न विलोम शब्दों की सटीक पहचान पर आधारित है। शब्द के अर्थ की गहराई को समझकर ही सही विपरीतार्थक शब्द चुना जा सकता है।

समाधान: 'शाश्वत' उस वस्तु या विचार को कहते हैं जो काल की सीमाओं से परे हो और सदैव विद्यमान रहे। इसके ठीक विपरीत 'क्षणिक' वह है जो पल भर के लिए अस्तित्व में आता है और नष्ट हो जाता है। अतः शाश्वत का सबसे उपयुक्त विलोम 'क्षणिक' है।

अंतिम उत्तर: क्षणिक

Answer: (A)

Q23.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शब्द–युग्मों के अर्थ और उनके पर्यायवाची संबंधों की शुद्धता की जाँच करता है।

समाधान: विकल्प (A), (B) और (C) में दिए गए शब्द एक–दूसरे के समानार्थी हैं। लेकिन विकल्प (D) में 'आकाश' (गगन) और 'पावक' (आग) दो पूरी तरह भिन्न अर्थ वाले शब्द हैं। पावक अग्नि का पर्यायवाची है, न कि आकाश का। इसलिए यह युग्म अशुद्ध है।

अंतिम उत्तर: आकाश – पावक

Answer: (D)

Q24.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न विलोम शब्दों की सटीक पहचान पर आधारित है। उपसर्गों के प्रयोग से शब्दों के अर्थ में होने वाले विपरीत बदलाव को समझना यहाँ महत्वपूर्ण है।

समाधान: 'उत्कर्ष' शब्द में 'उत्' उपसर्ग लगा है जो श्रेष्ठता या ऊपर की दिशा को दर्शाता है। इसका ठीक विपरीत 'अप' उपसर्ग लगाकर 'अपकर्ष' बनता है, जिसका अर्थ गिरावट या अवनति होता है। अतः 'उत्कर्ष' का सही विलोम 'अपकर्ष' है।

अंतिम उत्तर: अपकर्ष

Answer: (A)

Q25.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न पर्यायवाची शब्दों के सही समूह की पहचान करने पर आधारित है। हिंदी में 'ज' प्रत्यय का अर्थ 'जन्म लेने वाला' होता है, जो जल के पर्यायवाची शब्दों के पीछे लगकर 'कमल' का अर्थ देते हैं।

समाधान: विकल्प (A) में नीर+ ज (नीरज), तोय+ ज (तोयज) और पंक+ ज (पंकज) तीनों ही कमल के प्रसिद्ध नाम हैं। विकल्प (B) वायु के, (C) अग्नि के और (D) पृथ्वी व आकाश के शब्दों का मिश्रण है। इसलिए केवल विकल्प (A) ही पूर्णतः सही समूह है।

अंतिम उत्तर: नीरज, तोयज, पंकज

Answer: (A)

Q26.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न शब्दों की व्युत्पत्ति और उनके पर्यायवाची अर्थों पर आधारित है। 'मृगांक' शब्द दो शब्दों 'मृग' और 'अंक' के मेल से बना है।

समाधान: 'मृगांक' का शाब्दिक अर्थ है 'मृग के चिह्न वाला'। भारतीय साहित्य और लोककथाओं में यह माना जाता है कि चंद्रमा पर जो धब्बा दिखाई देता है, वह हिरण (मृग) की आकृति है। इसी कारण चंद्रमा को मृगांक, शशांक (खरगोश के चिह्न वाला) और सुधांशु कहा जाता है। अतः यह चंद्रमा का पर्यायवाची है।

अंतिम उत्तर: चंद्रमा

Answer: (B)

Q27.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न हिंदी व्याकरण के सबसे महत्वपूर्ण विलोम शब्द युग्मों में से एक पर आधारित है, जो गतिशीलता और स्थिरता के अंतर को स्पष्ट करता है।

समाधान: 'जंगम' उस वस्तु या संपत्ति को कहते हैं जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सके (जैसे पशु या सामान)। इसका शास्त्रीय विलोम 'स्थावर' होता है, जो अपनी जगह पर स्थिर रहता है (जैसे भवन या पर्वत)। यद्यपि 'स्थिर' का अर्थ भी वही है, किंतु 'जंगम' के लिए व्याकरणिक रूप से 'स्थावर' ही सही युग्म माना जाता है।

अंतिम उत्तर: स्थावर

Answer: (A)

Q28.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न पर्यायवाची शब्दों के सूक्ष्म अंतर पर आधारित है। अमृत के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द अक्सर देवलोक या मिठास से संबंधित होते हैं।
समाधान: 'अमृत' के लिए पीयूष, सुधा, सोम और सुरभोग (देवताओं का भोग) जैसे शब्दों का प्रयोग होता है। विकल्प (D) में दिया गया 'अंबु' शब्द जल का पर्यायवाची है (जैसे अंबुज – जल में जन्म लेने वाला)। अतः 'अंबु' अमृत का पर्यायवाची नहीं है।
अंतिम उत्तर: अंबु

Answer: (D)

Q29.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न विलोम शब्दों की पहचान पर आधारित है। 'उद्यम' शब्द कर्मठता और प्रयास का प्रतीक है।
समाधान: 'उद्यम' का अर्थ है परिश्रम या मेहनत करना। जीवन में सक्रियता को उद्यम कहा जाता है, जबकि निष्क्रिय रहने की स्थिति को 'आलस्य' कहते हैं। अन्य विकल्प जैसे प्रवीण (कुशल), नीरज (कमल) और नृप (राजा) का उद्यम से कोई विलोम संबंध नहीं है।
अंतिम उत्तर: आलस्य

Answer: (B)

Q30.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न कठिन शब्दों के पर्यायवाची (समानार्थी) ज्ञान की परीक्षा लेता है। 'विशिख' एक तत्सम शब्द है जो प्रायः साहित्यिक रचनाओं में प्रयुक्त होता है।
समाधान: 'विशिख' शब्द का अर्थ है 'बाण' या 'तीर'। धनुष से छोड़े जाने वाले अस्त्र के लिए शर, सायक, ईषु और विशिख जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है। विकल्प (A) बुद्ध, (C) तरु (वृक्ष) और (D) सरोवर (तालाब) इसके सही अर्थ नहीं हैं।
अंतिम उत्तर: बाण

Answer: (B)

Q31.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न वाक्यों के तार्किक पुनर्गठन (Sentence Reordering) पर आधारित है। इसमें वाक्यों को अर्थ और व्याकरण की दृष्टि से एक सुसंगत क्रम में जोड़ना होता है।
समाधान: वाक्यों का विश्लेषण करने पर: (Q) "जिस प्रकार विज्ञान वरदान है," से तुलना शुरू होती है। (S) "उसी प्रकार इसका दुरुपयोग विनाशकारी है," तुलना को आगे बढ़ाता है। (P) "और अंततः यह मानव जाति के लिए" प्रभाव बताता है। (R) "घातक सिद्ध हो सकता है।" वाक्य का तार्किक समापन करता है। अतः सही क्रम Q–S–P–R है।
अंतिम उत्तर: QSPR

Answer: (A)

Q32.

Solution

संकल्पना: वाक्य पुनर्गठन में 'कारण और प्रभाव' (Cause and Effect) के संबंध को पहचानना अनिवार्य है।

समाधान: कथनों को जोड़ने पर: (Q) और (S) मिलकर एक परिस्थिति का निर्माण करते हैं (नारी सम्मान और गरिमा)। (P) और (R) उस परिस्थिति का परिणाम बताते हैं (देश की उन्नति)। क्रम: "जहाँ नारी का सम्मान होता है (Q), और उसकी गरिमा सुरक्षित रहती है (S), वही देश उन्नति की ओर (P) अग्रसर होता है (R)।" अतः सही क्रम Q–S–P–R है।

अंतिम उत्तर: QSPR

Answer: (A)

Q33.

Solution

संकल्पना: इस प्रकार के प्रश्नों में मुख्य कर्ता या संज्ञा वाले वाक्यांश से शुरुआत करना प्रायः सही रहता है।

समाधान: तार्किक विश्लेषण: (P) "आत्मविश्वास ही वह कुंजी है" – यह मुख्य विषय को परिभाषित करता है। (S) "जिसके माध्यम से जीवन की" – यह कुंजी के उपयोग का विस्तार है। (Q) "कठिन से कठिन बाधाओं को" – यह उस प्रक्रिया का उद्देश्य है। (R) "पार करके सफलता प्राप्त की जा सकती है।" – यह अंतिम निष्कर्ष है। अतः सही क्रम P–S–Q–R है।

अंतिम उत्तर: PSQR

Answer: (A)

Q34.

Solution

संकल्पना: यह प्रश्न 'शर्त और परिणाम' वाले वाक्यों के तार्किक संयोजन पर आधारित है। यहाँ 'यदि–तो' के संरचनात्मक प्रयोग को समझना आवश्यक है।

समाधान: वाक्यों को जोड़ने पर: (Q) "यदि हम चाहते हैं कि" – यह एक इच्छा या शर्त प्रकट करता है। (P) "अपनी सांस्कृतिक विरासत को" – यह उस कर्म या वस्तु को दर्शाता है जिसे सुरक्षित रखना है। (R) "सुरक्षित रखें, तो हमें" – यह शर्त का पूरक भाग है। (S) "अपनी भाषा का सम्मान करना होगा।" – यह अंतिम समाधान है। अतः सही तार्किक क्रम Q–P–R–S है।

अंतिम उत्तर: QPRS

Answer: (A)

Q35.

Solution

संकल्पना: वाक्य पुनर्गठन में क्रियाओं के क्रमिक विकास और 'और' जैसे संयोजकों के स्थान को पहचानना महत्वपूर्ण होता है।

समाधान: विश्लेषण: (Q) "शिक्षा के प्रकाश से ही" – यह साधन को दर्शाता है जिससे शुरुआत होगी। (P) "समाज में व्याप्त कुरीतियों को" – यह उस समस्या को बताता है जिसे हल करना है। (S) "दूर किया जा सकता है और" – यह पहली क्रिया है जिसके बाद 'और' लगा है। (R) "जड़ से मिटाया जा सकता है।" – यह दूसरी और अंतिम क्रिया है। अतः सही क्रम Q–P–S–R है।

अंतिम उत्तर: QPSR

Answer: (A)

Q36.

Solution

संकल्पना: प्रायः परिचय, क्षमता और फिर शर्त के क्रम में वाक्यों को लगाने से अर्थ स्पष्ट होता है।

समाधान: तार्किक क्रम: (P) "आज का युवा वर्ग" – विषय का परिचय। (Q) "तकनीकी रूप से अत्यंत सक्षम है," – विषय की वर्तमान स्थिति। (S) "वह राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकता है," – भविष्य की संभावना। (R) "यदि उसे सही दिशा मिले।" – संभावना के सफल होने की अनिवार्य शर्त। अतः सही क्रम P–Q–S–R है।

अंतिम उत्तर: PQSR

Answer: (A)

Q37.

Solution

संकल्पना: वाक्य पुनर्गठन में 'विषय → आवश्यकता → उद्देश्य → निष्कर्ष' का क्रम सबसे प्रभावी होता है।

समाधान: वाक्यों को तार्किक रूप से जोड़ने पर: (P) "प्रकृति का संतुलन बनाए रखना" – मुख्य विचार का परिचय देता है। (Q) "वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है," – इस विचार की तात्कालिकता सिद्ध करता है। (S) "ताकि हम आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ ग्रह दे सकें," – कार्य का सकारात्मक लक्ष्य बताता है। (R) "अन्यथा भविष्य में संकट गहरा सकता है।" – चेतावनी के साथ विचार को पूर्ण करता है। अतः सही क्रम P–Q–S–R है, जो विकल्प (A) में दिया गया है।

अंतिम उत्तर: PQSR

Answer: (A)

Q38.

Solution

समाधान (प्रश्न 38): उपदेशों को न केवल सुनना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने व्यवहार और चरित्र में उतारना चाहिए। 'आत्मसात' का अर्थ है किसी ज्ञान या गुण को पूरी तरह से अपना लेना या सोख लेना। अन्य विकल्प जैसे तिरस्कृत (अपमानित), विस्मृत (भूल जाना) और उपेक्षित (ध्यान न देना) नकारात्मक अर्थ देते हैं।
अंतिम उत्तर: आत्मसात

Answer: (A)

Q39.

Solution

समाधान (प्रश्न 39): अत्यधिक वर्षा से दैनिक दिनचर्या बाधित होती है। 'अस्त–व्यस्त' का अर्थ है तितर–बितर होना या व्यवस्था का बिगड़ना। 'सुचारु' और 'व्यवस्थित' इसके विलोम शब्द हैं जो अनुकूल परिस्थितियों को दर्शाते हैं।
अंतिम उत्तर: अस्त–व्यस्त

Answer: (B)

Q40.

Solution

समाधान (प्रश्न 40): 'अनन्योन्याश्रित' का अर्थ है 'एक–दूसरे पर आश्रित होना'। साहित्य समाज का दर्पण है और समाज साहित्य को विषय वस्तु प्रदान करता है, अतः ये दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। 'गौण' (कम महत्वपूर्ण) या 'अनावश्यक' जैसे शब्द इस गहरे संबंध को नहीं दर्शाते।
अंतिम उत्तर: अनन्योन्याश्रित

Answer: (B)

Q41.

Solution

समाधान (प्रश्न 41): मित्रता की असली परीक्षा संकट के समय होती है। 'विपत्ति' का अर्थ है संकट या बुरा समय। वैभव, उत्सव और विलासिता सुख के सूचक हैं, और इन स्थितियों में साथ देने वाले मित्र 'स्वार्थ' से प्रेरित हो सकते हैं।
अंतिम उत्तर: विपत्ति

Answer: (B)

Q42.

Solution

समाधान (प्रश्न 42): धन संचय की अत्यधिक लालसा व्यक्ति को केवल अपने बारे में सोचने पर मजबूर करती है। 'स्वार्थपरता' का अर्थ है केवल अपने हित की चिंता करना। इसके विपरीत संतोष, परोपकार और दया मानवीय मूल्यों के परिचायक हैं जो संचय की प्रवृत्ति से कम होते हैं।
अंतिम उत्तर: स्वार्थपरता

Answer: (B)

Q43.

Solution

संकल्पना: मुहावरे और लोकोक्तियाँ अपनी लाक्षणिकता के कारण भाषा को प्रभावी बनाती हैं। इनके अर्थ सीधे शब्दों से न निकलकर विशेष अर्थ की ओर संकेत करते हैं।
समाधान: मुहावरों का उनके अर्थ के साथ विश्लेषण इस प्रकार है:

- अंधे की लकड़ी: इसका अर्थ है 'एकमात्र सहारा' (जिस प्रकार लाठी अंधे का एकमात्र सहारा होती है)। अतः 1–(ii)।
- उन्नीस–बीस होना: इसका अर्थ है 'बहुत कम अंतर होना' (जैसे दो वस्तुओं में मामूली सा फर्क)। अतः 2–(i)।
- आँखों में धूल झोंकना: इसका अर्थ है 'धोखा देना'। स्तंभ 2 के दिए गए विकल्पों में (iii) उपलब्ध है। अतः 3–(iii)।
- मिट्टी पलीद होना: इसका अर्थ है 'स्थिति बहुत खराब होना या अपमानित होना'। अतः 4–(iv)।

दिए गए विकल्पों में (B) इस तार्किक क्रम 1–(ii), 2–(i), 3–(iii), 4–(iv) का पूरी तरह अनुसरण करता है।
अंतिम उत्तर: (B) 1–(ii), 2–(i), 3–(iii), 4–(iv)

Answer: (B)

Q44.

Solution

संकल्पना: संधि वर्णों के मेल से होने वाले विकार को कहते हैं। स्वर संधि के अंतर्गत मात्राओं के परिवर्तन के आधार पर विभिन्न भेद किए जाते हैं।

समाधान: संधि विच्छेद और भेदों का मिलान निम्नवत है:

- 1. दीर्घ संधि: पुस्तक + आलय = पुस्तकालय (अ + आ = आ)। अतः 1–(ii)।
- 2. गुण संधि: महा + उदय = महोदय (आ + उ = ओ)। अतः 2–(iv)।
- 3. वृद्धि संधि: सदा + एव = सदैव (आ + ए = ऐ)। अतः 3–(i)।
- 4. यण संधि: इति + आदि = इत्यादि (इ + आ = या)। अतः 4–(iii)।

यह क्रम विकल्प (A) में उपलब्ध है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(iv), 3–(i), 4–(iii)

Answer: (A)

Q45.

Solution

संकल्पना: समास दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बने नए शब्द को कहते हैं। इसमें पदों की प्रधानता के आधार पर भेद निश्चित किए जाते हैं।

समाधान: समास विग्रह के आधार पर सही मिलान:

- 1. अव्ययीभाव: प्रतिदिन (प्रत्येक दिन) – प्रथम पद प्रधान और अव्यय है। अतः 1–(ii)।
- 2. तत्पुरुष: राजपुत्र (राजा का पुत्र) – कारक चिह्न 'का' का लोप है। अतः 2–(iv)।
- 3. बहुव्रीहि: दशानन (दस हैं मुख जिसके, अर्थात् रावण) – अन्य पद प्रधान है। अतः 3–(i)।
- 4. द्विगु: चौराहा (चार राहों का समूह) – प्रथम पद संख्यावाचक है। अतः 4–(iii)।

यह क्रम विकल्प (A) में उपलब्ध है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(iv), 3–(i), 4–(iii)

Answer: (A)

Q46.

Solution

संकल्पना: तत्सम शब्द संस्कृत के मूल शब्द हैं, जबकि तद्भव उनसे परिवर्तित होकर हिंदी में प्रचलित हुए शब्द हैं।

समाधान: शब्दों का सही रूपांतरण इस प्रकार है:

- 1. कार्य: इसका तद्भव रूप काम है। अतः 1–(ii)।
- 2. श्रावण: इसका तद्भव रूप सावन है। अतः 2–(i)।
- 3. दधि: इसका तद्भव रूप दही है। अतः 3–(iv)।
- 4. हस्त: इसका तद्भव रूप हाथ है। अतः 4–(iii)।

यह क्रम विकल्प (A) में उपलब्ध है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

Answer: (A)

Q47.

Solution

संकल्पना: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग भाषा को संक्षिप्त और प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है।

समाधान: वाक्यांशों का उनके सही शब्द से मिलान:

- 1. जिसकी उपमा न हो: उसे अनुपम कहते हैं। अतः 1–(ii)।
- 2. जिसका कोई शत्रु न हो: उसे अजातशत्रु कहते हैं। अतः 2–(i)।
- 3. उपकार को मानने वाला: उसे कृतज्ञ कहते हैं। अतः 3–(iv)।
- 4. जो कम बोलता हो: उसे अल्पभाषी कहते हैं। अतः 4–(iii)।

यह क्रम विकल्प (A) में उपलब्ध है।

अंतिम उत्तर: (A) 1–(ii), 2–(i), 3–(iv), 4–(iii)

Answer: (A)

Q48.

Solution

संकल्पना: मुहावरे भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए प्रयुक्त होते हैं। यह प्रश्न व्यक्ति के स्वार्थी व्यवहार को दर्शाने वाले प्रसिद्ध मुहावरे पर आधारित है।

समाधान: 'अपना उल्लू सीधा करना' एक अत्यंत प्रचलित मुहावरा है। इसका शाब्दिक अर्थ उल्लू से संबंधित न होकर लाक्षणिक अर्थ 'स्वार्थ' से है। जब कोई व्यक्ति चालाकी से अपना काम निकालता है, तो उसे अपना उल्लू सीधा करना कहा जाता है। अतः विकल्प (B) सही है।

अंतिम उत्तर: अपना स्वार्थ सिद्ध करना

Answer: (B)

Q49.

Solution

संकल्पना: यह लोकोक्ति 'सारगर्भित' अभिव्यक्ति की क्षमता को रेखांकित करती है। गागर (छोटा पात्र) और सागर (विशाल जलराशि) का मेल यहाँ प्रतीकात्मक है।

समाधान: जिस प्रकार सागर की विशालता को एक गागर में समेटना असंभव लगता है, उसी प्रकार बहुत बड़ी और गूढ़ बात को बहुत कम शब्दों में कह देना एक कला है। साहित्य में विशेषकर दोहों और सूक्तियों के लिए इसका प्रयोग होता है। अतः विकल्प (B) सटीक अर्थ प्रकट करता है।

अंतिम उत्तर: थोड़े शब्दों में बहुत अधिक कह देना

Answer: (B)

Q50.

Solution

संकल्पना: यह लोकोक्ति विरोधाभास की स्थिति को दर्शाती है, जहाँ प्रकाश का स्रोत स्वयं अंधेरे में होता है।

समाधान: शाब्दिक रूप से दीपक (चिराग) की लौ ऊपर प्रकाश देती है परंतु उसके ठीक नीचे अंधेरा रहता है। व्यावहारिक रूप में इसका अर्थ है कि व्यक्ति दूसरों की कमियाँ तो देख लेता है या दुनिया को ज्ञान देता है, परंतु अपने दोष या अपने घर की अव्यवस्था उसे दिखाई नहीं देती। अतः विकल्प (B) सही है।

अंतिम उत्तर: अपनी बुराई खुद को न दिखना

Answer: (B)

Answer Key

Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans	Q	Ans
1	B	2	C	3	A	4	C	5	B
6	B	7	B	8	B	9	C	10	B
11	B	12	B	13	B	14	B	15	B
16	B	17	A	18	B	19	B	20	A
21	D	22	A	23	D	24	A	25	A
26	B	27	A	28	D	29	B	30	B
31	A	32	A	33	A	34	A	35	A
36	A	37	A	38	A	39	B	40	B
41	B	42	B	43	B	44	A	45	A
46	A	47	A	48	B	49	B	50	B